I[st] Semester
Assignment Question Paper-2024-25

Session: 2024-25	**Max. Marks:** 30
Program Name: MA Sanskrit	
Course Code: MAST- 101 (N)	**Course Title: वैदिक वाङमय,**

NOTE: All questions are compulsory

SECTION-A 2*6=12 marks

Q.No.	NOTE: Short answer type question (approx. 200 to 300 words)	Marks
1	अधोलिखित मन्त्रों में से किसी एक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – (क) यो जात एवं प्रथमो मनस्वान्, देवो देवान्क्रतुना पर्यभूषत्। यस्य शुष्माद्रोदसी अभ्यसेतां, नृम्णस्य महना स जनास इन्द्रः।। (ख) आ कृष्णेन रजसा वर्तमानो निवेशयन्नमृतं मर्त्यं च। हिरण्यर्येन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन।।	2
2	निम्नलिखित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए – i) इन्द्रेषिते ii) निवेशनीम् iii) जुषस्व iv) इच्छमानाः	2
3	वेदत्रयी का सामान्य परिचय दीजिए।	2
4	इन्द्र सूक्त का सारांश लिखिए।	2
5	निम्नलिखित मंत्र का हिन्दी में अनुवाद कीजिए– अभीवतं कृशनैर्विश्वरूपं हिरण्यशम्यं यजतो बृहन्तम्। आस्थाद्रथं सविता चित्रभानुः कृष्णा रजांसि तविषीं दधानः।।	2
6	आरण्यक ग्रन्थों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।	2

SECTION- B 6*3=18 marks

Q. No.	NOTE: Long answer type question (approx. 500 to 800 words)	Marks
7	वेदों का सामान्य परिचय देते हुए वेदों के विभागों पर प्रकाश डालिए।	6
8	'समाम्नायः समाम्नातः, स व्याख्यातव्यः की व्याख्या कीजिए।	6
9	'इन्द्र' अथवा 'मरुत्' देवता का परिचय दीजिए।	6

Assignment Question Paper

Session: 2024-25	**Max. Marks:** 30
Program Name: MA Sanskrit	
Course Code: MAST- 102 (N)	**Course Title:** पालि, प्राकृत, अपभ्रंश एवं भाषा विज्ञान

NOTE: All questions are compulsory

SECTION-A **2*6=12 marks**

Q.No.	NOTE: Short answer type question (approx. 200 to 300 words)	Marks
1	प्राकृत साहित्य पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।	2
2	'बावेरुजातकम्' का सारांश लिखिए।	2
3	ध्वनि परिवर्तन के कारणों की विवेचना कीजिए।	2
4	अधोलिखित पर टिप्पणी लिखिये। प्रजापतिहृदयं, दिसाकाकं	2
5	सन्देशरासकं के पठित अंश का सारांश लिखिए।	2
6	अपभ्रंश साहित्य के खण्ड काव्य का सामान्य परिचय दीजिए।	2

SECTION- B

Q. No.	NOTE: Long answer type question (approx. 500 to 800 words)	Marks
7	प्रश्न–1 निम्नलिखित गद्यांशों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – (i) तदा किर कपिलवत्थुनगरे आसोक्हीनक्खत्तं घुट्ठं अहोसि। महाजनो नक्खत्तं कीकेति। महामाया देवी पुरे पुण्णमाय सत्तमदिवसतो पट्ठाय विगतसुरापानं मालागन्धविधूतिसम्पन्नं नक्खत्तकीकं अनुभवमाना सत्तमदिवसे पातो व उठाय गन्धोदकेन नहायित्वा चत्तारि सतसहस्सानि विस्सेज्जेत्वा महादानं दत्वा सब्बालङ्कारविभूसिता वरभोजनं भुञ्जित्वा उपोसथङ्गानि अधिट्ठाय अलङ्कतपटियत्तं सिरिगब्भं पविसित्वासिरिसयने निपन्ना निद्दं ओक्कममाना इदं सुपिन अदस्स। (ii) अथ खो भगवा आयस्मन्तं आनन्दं आमन्तेसि – ''सिया खो पनानन्द, तुम्हाकं एवं अस्स 'अतीतसत्थुकं पावचनं। नत्थि नो सत्था ति। न खो पने तं, आनन्द, एवं दट्ठब्बं। यो वो आनन्द, मया धम्मो च विनयो च देसितो पञ्ञत्तो, सो वो ममच्चयेन सत्था। यथा खो पनानन्द, एतरहिभिक्खू अञ्ञमञ्ञं आबुसोवादेन समुदाचरन्ति, न वो ममच्चयेन एवं समुदायरितब्बं।	6
8	निम्नांकित पद्यों की संस्कृतच्छाया लिखिए – (i) यथा पिभमरो पुप्फं वण्णगन्ध अहेठयं। फलेति रसमादाय, एवं ग्रामे मुनी चरे।। (ii) एकं धम्मं उतीतस्स मुसावादिस्स जन्तुनो। वितिण्णपरलोकस्स नत्थि पापं अकारियं।	6
9	अपभ्रंश साहित्य के मुक्तक काव्यों की विशेषताएँ बताइए।	6

Assignment Question Paper

Session: 2024-25	**Max. Marks:** 30
Program Name: MA Sanskrit	
Course Code: MAST- 103 (N)	**Course Title:** व्याकरण तथा अलंकार

NOTE: All questions are compulsory

SECTION-A

2*6=12 marks

Q.No.	NOTE: Short answer type question (approx. 200 to 300 words)	Marks
1	निम्नलिखित पदों में से किसी एक की सूत्रोल्लेख पूर्वक सिद्धि प्रक्रिया लिखिये– (क) हरि (ख) रमा	2
2	अधोलिखित समस्त पदों में से किन्हीं दो पदों का लौकिक विग्रह करते हुए समास का नाम बताइये। i) पंचगंगम् ii) नीलोत्पलम् iii) र्निक्षिकम् iv) उपचर्मम्	2
3	निम्नलिखित पदों में से किन्हीं दो में प्रकृति–प्रत्यय बताइये। (क) पाञ्चालः (ख) पितृव्यः (ग) मीमांसकः (घ) वाराणसेयम्	2
4	निम्नधातु रूपों में से किसी एक की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धिप्रक्रिया लिखिए– (क) बभूव (ख) एधते	2
5	निम्न में से किसी एक सूत्र की व्याख्या कीजिए। (क) कृत्तद्धितसमासाश्च (ख) वर्तमाने लट्	2
6	निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं दो में प्रकृति–प्रत्यय बताइये। (क) स्तुत्यः (ख) विपत्तिः (ग) चन्द्रमुखा (घ) कुरुचरी	2

SECTION- B

Q. No.	NOTE: Long answer type question (approx. 500 to 800 words)	Marks
7	व्याकरण का अर्थ बताते हुए उसके महत्त्व का प्रकाश डालिए।	6
8	'अर्थवदधातुरप्रत्ययः प्रातिपदिकम्' सूत्र की व्याख्या कीजिए।	6
9	'प्रायणान्यपदार्थप्रधानो बहुव्रीहि' की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।	6

Assignment Question Paper

Session: 2024-25	**Max. Marks:** 30
Program Name: MA Sanskrit	
Course Code: MAST- 104 (N)	**Course Title:** शोधप्रविधि

NOTE: All questions are compulsory

SECTION-A

2*6=12 marks

Q.No.	NOTE: Short answer type question (approx. 200 to 300 words)	Marks
1	निम्न में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए– (क) अनुसंधान के क्षेत्र (ख) अन्वेषणात्मक शोध–प्ररचना	2
2	अनुसन्धान के अर्थ पर प्रकाश डालिये।	2
3	शोध निर्देशक की विशेषता बताइये।	2
4	अनुसंधान की आवश्यकता बताइये।	2
5	शोध– विषय एवं शोधार्थी के बीच कौन कौन से विचारणीय बिन्दु है?	2
6	शोध– प्रविधि की विविध पद्धतियों को लिखिए।	2

SECTION- B **6*3=18 marks**

Q. No.	NOTE: Long answer type question (approx. 500 to 800 words)	Marks
7	अनुसंधान के विविध प्रकारों पर लेख लिखिये।	6
8	संस्कृत के किसी एक ग्रन्थ का शोध–प्रारूप तैयार कीजिए।	6
9	शोध–विषय के चयन की विस्तृत समीक्षा कीजिए।	6

Assignment Question Paper

Session: 2024-25	**Max. Marks:** 30
Program Name: MA Sanskrit	
Course Code: MAST- 105 (N)	**Course Title:** शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान

NOTE: All questions are compulsory

SECTION-A **2*6=12 marks**

Q.No.	NOTE: Short answer type question (approx. 200 to 300 words)	Marks
1	शोध प्रबन्ध के मुख्य घटकों का नाम लिखिए।	2
2	उद्धरणों के प्रयोग में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।	2
3	शोध कार्य में संगणक का महत्व बताइये।	2
4	पाद टिप्पणी का अर्थ स्पष्ट कीजिए।	2
5	ग्रन्थ के भेदों पर प्रकाश डालिये।	2
6	भूमिका की विषय–वस्तु लिखिये।	2

SECTION- B **6*3=18 marks**

Q. No.	NOTE: Long answer type question (approx. 500 to 800 words)	Marks
7	लिपि के क्रमिक विकास पर लेख लिखिये।	6
8	सन्दर्भ–ग्रन्थ–सूची–निर्माण में अपेक्षित विवरणों का विवेचन कीजिए।	6
9	शोध –सामग्री–चयन के मुख्य स्रोतों का निरूपण कीजिए।	6

II[nd] Semester

Assignment Question Paper-2023-24

Session: 2024-25	**Max. Marks:** 30
Programme Name: MA Sanskrit	
Course Code: MAST- 106 (N)	**Course Title:** प्राच्य भारतीय दर्शन

NOTE: All questions are compulsory

SECTION-A **2*6=12 marks**

Q.No.	NOTE: Short answer type question (approx. 200 to 300 words)	Marks
1	सांख्यदर्शन के अनुसार 'सांख्य' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।	2
2	सांख्य दर्शन के प्रमुख तत्त्वों पर प्रकाश डालिये।	2
3	'न्याय' शब्द का अर्थ बताइये।	2
4	तर्कभाषा के अनुसार अयथार्थ अनुभव के भेदों को स्पष्ट कीजिए।	2
5	अष्टाङ्गयोग में 'यम' क्या है? स्पष्ट कीजिए।	2
6	'पंञ्चीकरण' से क्या समझते है? स्पष्ट कीजिए।	2

SECTION- B **6*3=18 marks**

Q. No.	NOTE: Long answer type question (approx. 500 to 800 words)	Marks
7	अधोलिखित कारिका की व्याख्या कीजिए– असदकरणादुपादानग्रहणात् सर्वसम्भवाभावात्। शक्तस्य शक्यकरणत् कारणभावाच्च सत्कार्यम्।।	6
8	'अहं ब्रह्मास्मि'–इस महावाक्य की व्याख्या कीजिए।	6
9	'लिंगपरामर्शोऽनुमानम्' की व्याख्या कीजिये।	6

Assignment Question Paper

Session: 2024-25	**Max. Marks:** 30
Programme Name: MA Sanskrit	
Course Code: MAST- 107 (N)	**Course Title:** संस्कृत नाटक

NOTE: All questions are compulsory

SECTION-A **2*6=12 marks**

Q.No.	NOTE: Short answer type question (approx. 200 to 300 words)	Marks
1.	अधोलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। धन्याः खलु वने वातास्तटाकपरिवर्तिनः। विचरन्तं वने रामं ये स्पृशन्ति यथासुखम्।।	2
2.	अधोलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। धृतिपुष्पमयमीय जनो बहनातिन तादृशं चिरात्प्रमृति। स्पर्शामृतेन पूरय दोहदमस्याप्यनन्यरूचेः।।	2
3.	अधोलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। कालिन्द्याः पुलिनेषु केलिकुपितामुत्यृज्य रासे रासं गच्छन्तीमनुगच्छतोऽश्रुकलुषां कंसद्विषो राधिकाम्। तत्पादप्रतिमानिवेशितपदस्योद्भूतरोमोद्गते– रक्षुण्णोऽनुनयः प्रसन्नदयितादृष्टस्य पुष्णातु वः।।	2
4.	निम्नलिखित श्लोक की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिए। क्व ते ज्येष्ठो रामः प्रियसुतः! सुतः सा क्व दुहिता– विदेहानां भर्तुनिरतिशयभक्तिर्गुरुजने। क्व सा सौमित्रिर्मां हतपितृकमासन्नमरणं– किमप्याहुः किं ते सकलजनशोकार्णवकरम्।।	2
5.	निम्नलिखित श्लोक की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिए– विवादे दर्शयिष्यन्तं क्रियासङ्क्रान्तिमात्मनः। यदि मां नानुजानासि परित्यक्तोऽस्म्यहं त्वचा।।	2
6	निम्नलिखित श्लोक की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिए– श्रवणाञ्जलिपुटपेंय विरचितवान्भारताख्यममृतं यः तमहमरागमकृष्णं कृष्णद्वैपायनं वन्दे।।	2

SECTION- B **6*3=18 marks**

Q. No.	NOTE: Long answer type question (approx. 500 to 800 words)	Marks
7	महाकवि कालिदास की नाट्यकला पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।	6
8	प्रतिमानाटकम् के आधार पर राम अथवा सीता का चरित्र–चित्रण कीजिए।	6
9	वेणीसंहार नाटक के नायक की समीक्षा कीजिए।	6

Assignment Question Paper

Session: 2024-25	**Max. Marks:** 30
Programme Name: MA Sanskrit	
Course Code: MAST- 108 (N)	**Course Title:** संस्कृत – गद्यकाव्य

NOTE: All questions are compulsory

SECTION-A 2*6=12 marks

Q.No.	NOTE: Short answer type question (approx. 200 to 300 words)	Marks
1	अधोलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 'एवं समतिक्रामत्सु दिवसेषु राजा चन्द्रापीडस्य यौवराज्याभिषेकं चिकीर्षुः प्रतीहारानुपकरणसंभारसंग्रहार्थमादिदेश। समुपस्थितयौवराज्यभिषेकं च तं कदाचिद्दर्शनार्थमागतमारूढ़विनयमपि विनीततरमिच्छञ्शुकनासः सविस्तरमुवाच 'तात चन्द्रापीड, विदितवेदितव्यस्याधीतसर्वशास्त्रस्य ते नाल्पमप्युपदेष्टव्यमस्ति।'	2
2	अधोलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए– ''भवादृशा एव भवन्ति भाजनान्युपदेशानाम्। अपगतमले हि स्फटि कमणाविव रजनिकरगभस्तयो विशन्ति सुखेनोपदेशगुणाः। गुरुवचनममलमपि सलिलमिव महदुपजनयति श्रवणस्थितं शूलमभण्यस्य।''	2
3	पं. अम्बिकादत्त व्यास के व्यक्तित्व का सामान्य परिचय दीजिए।	2
4	निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 'तमारभ्याद्यावधि राक्षस एव राज्यमकार्षुः। दानवा एव च दीनान दीदलन। अभूतकेवलं अकबरशाह–नामा यद्यपि गूढशत्रुभारतस्यतथापि शान्तिप्रियो विद्वत्प्रियश्च। अस्यैव प्रपौत्रो मूर्तिमदिव कलियुगः गृहीतविग्रह : इव चाधर्म :, आलमगीरोपाधिधारी अवरङ्.गजीव सम्प्रति दिल्लीवल्लभतां कलंकयति।'	2
5	अधोलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 'अथ मुनिरपि छिन्नक घरं चवनहतकमवलोक्य सहर्ष साधुवाद स्रोमोद्गमचं गौरसिंहमाश्लिष्य, भ्रूभगंमात्राज्ञप्तेन भृत्येन मृतककचुंककटिबन्धोष्णीषादिकमन्विष्यानीतम् पत्रमेकमादाय सगणः स्वकुटीरं प्रविवेश।	2
6	गद्य–काव्य के उद्भव पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।	2

SECTION- B 6*3=18 marks

Q. No.	NOTE: Long answer type question (approx. 500 to 800 words)	Marks
7	बाणट्ट की गद्य–शैली की समीक्षा कीजिए।	6
8	कादम्बरी की कथा का सार लिखिए।	6
9	पं. अम्बिकादत्त व्यास का जीवन–परिचय दीजिए।	6

Assignment Question Paper

Session: 2024-25	**Max. Marks:** 30
Programme Name: MA Sanskrit	
Course Code: MAST- 109 (N)	**Course Title:** नाट्यशास्त्र

NOTE: All questions are compulsory

SECTION-A **2*6=12 marks**

Q.No.	NOTE: Short answer type question (approx. 200 to 300 words)	Marks
1	अधोलिखित श्लोकों की हिन्दी में व्याख्या कीजिए– ततः सह महेन्द्रेण सुरैः सर्वैश्च सतमैः। अगच्छत्त्वरितो द्रष्टुं द्रुहिणो नाट्यमण्डपम्।। दृष्टवा नाट्यगृहं ब्रह्मा प्राह सर्वान् सुरांस्ततः। अंशभागैर्भवद्भिस्तु रक्ष्योऽहं नाट्यमण्डपम्।।	2
2	अधोलिखित श्लोक की हिन्दी में व्याख्या कीजिए– उत्तमाधममध्यानां नराणां कर्मसंश्रयम्। हितोपदेश जननं धृतिक्रीडासुखदिकृत्।।	2
3	अधोलिखित में से किसी एक विषय पर टिप्पणी लिखिए– क) नाट्यगृह के प्रकार ख) रंगशाला ग) स्तम्भों के निर्माण में उपयोग में आने वाली वस्तुएँ।	2
4	अधोलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए– क) अर्थ प्रकृति ख) नाट्य वृत्तियाँ ग) मुख सन्धि घ) चूलिका	2
5	अधोलिखित श्लोक की हिन्दी में व्याख्या कीजिए– पूर्वरंग विधायादौ सूत्रधारे विनिर्गते। प्रविश्य तद्वदपरः काव्यमास्थापयेन्नटः।।	2
6	जनान्तिक एवं अपवारित का लक्षण स्पष्ट कीजिए।	2

SECTION- B **6*3=18 marks**

Q. No.	NOTE: Long answer type question (approx. 500 to 800 words)	Marks
7	आचार्य भरत के काल पर प्रकाश डालिए।	6
8	दशरूपककार आचार्य धननंजय के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए।	6
9	नाट्य की प्राचीनता पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।	6

साहित्य सर्वेक्षण/प्रोजेक्ट कार्य

Session: 2024-25	**Max. Marks:** 100
Programme Name: MA Sanskrit	
Course Code: MAST- 110 (N)	**Course Title:** साहित्य सर्वेक्षण/प्रोजेक्ट कार्य

शिक्षार्थियों हेतु साहित्य सर्वेक्षण/प्रोजेक्ट कार्य से सम्बन्धित दिशा निर्देश

1. संस्कृत साहित्य के किसी कवि से सम्बन्धित 5000 शब्दों में लिखित/टंकित सर्वेक्षणात्मक निबन्ध दो प्रतियों में अपने–अपने अध्ययन केन्द्र में जमा करना होगा।

   अथवा

   संस्कृत–साहित्य से सम्बन्धित किसी भी विषय पर 50 पृष्ठों का लिखित परियोजना कार्य (लघुशोध प्रबन्ध) अपने–अपने अध्ययन केन्द्र में दो प्रतियों में जमा करना होगा।
2. अधिन्यास पत्र के साथ सर्वेक्षणात्मक निबन्ध/परियोजना सत्रान्त परीक्षा से पूर्व जमा करना होगा।
3- मौलिक लेखन का प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा।

III[rd] Semester
Assignment Question Paper-2024-25

Session: 2024-25	**Max. Marks:** 30
Program Name: MA Sanskrit	
Course Code: MAST- 111 (N)	**Course Title:** संस्कृत शास्त्र एवं शास्त्रकार

NOTE: All questions are compulsory

SECTION-A 2*6=12 marks

Q.No.	NOTE: Short answer type question (approx. 200 to 300 words)	Marks
1	वार्तिक के लक्षणों पर प्रकाश डालिए।	2
2	आचार्य भट्टोजिदीक्षित के जन्म–समय एवं जन्म–स्थान पर प्रकाश डालिये।	2
3	आचार्य अभिनवगुप्त के कर्तृत्व का विवेचन कीजिए।	2
4	'काव्यशास्त्र को आचार्य मम्मट की देन' पर टिप्पणी लिखिये।	2
5	'चरक' शब्द के अर्थ को समझाइये।	2
6	कौटिल्यीय अर्थशास्त्र के द्वितीय एवं तृतीय अधिकरण का प्रतिपाद्य विषय बताइये।	2

SECTION- B 6*3=18 marks

Q. No.	NOTE: Long answer type question (approx. 500 to 800 words)	Marks
7	आचार्य पाणिनि का जीवन–परिचय देते हुए उनके कर्तृव्य का विवेचन कीजिए।	6
8	भरतमुनि प्रणीत नाट्यशास्त्र का प्रतिपाद्य विषय लिखिये।	6
9	आचार्य कुन्तक द्वारा प्रतिपादित वक्रोक्ति के छः भेदों का समान्य परिचय प्रस्तुत कीजिए।	6

Assignment Question Paper

Session: 2024-25	**Max. Marks:** 30
Program Name: MA Sanskrit	
Course Code: MAST- 112 (N)	**Course Title:** संस्कृत–पद्यकाव्य

NOTE: All questions are compulsory

SECTION-A **2*6=12 marks**

Q.No.	NOTE: Short answer type question (approx. 200 to 300 words)	Marks
1	निम्न पद्य का हिन्दी में अनुवाद कीजिये– कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः। न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः।।	2
2	'किरातार्जुनीयम्' महाकाव्य के नामकरण पर प्रकाश डालिये।	2
3	'किरातार्जुनीयम्' महाकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश अपने शब्दों में लिखिये।	2
4	श्रीहर्षकृत नैषधीयीचरितम्' का सामान्य परिचय दीजिये।	2
5	निम्न पद्य का हिन्दी में अनुवाद कीजिए– निवारितास्तेन महीतलेऽखिले निरीतिभावं गमितेऽतिवृष्टयः। न तत्यजुर्नूनमनन्यसंश्रयाः प्रतीपमूपालमृगीदृशां दृशः।।	2
6	'नैषधीयचरितम्' के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिये।	2

SECTION- B

Q. No.	NOTE: Long answer type question (approx. 500 to 800 words)	Marks
7	महाकवि श्री हर्ष के व्यक्तित्व–कर्तृत्व पर प्रकाश डालिये।	6
8	'भारवेरर्थगौरवम्'' की सोदाहरण समीक्षा कीजिये।	6
9	निम्न पद्यों की ससन्दर्भ संस्कृत में व्याख्या कीजिए– (क) स किं सखासाधु न शास्ति योऽधिपं हितान्न यः संश्रृणुते स किम्प्रभुः। सदानुकूलेषु हि कुर्वते रतिं नृपेष्वमात्येषु चसर्वसम्पदः।। (ख) निपीय यस्य क्षितिरक्षिणः कथां तथाद्रियन्ते न बुधाः सुधामपि।। नलः सितच्छत्रितकीर्तिमण्डलः सराशिरासीन्महसां महोज्ज्वलः।।	

Assignment Question Paper

Session: 2024-25	**Max. Marks:** 30
Program Name: MA Sanskrit	
Course Code: MAST- 113 (N)	**Course Title:** लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास

NOTE: All questions are compulsory

SECTION-A

2*6=12 marks

Q.No.	NOTE: Short answer type question (approx. 200 to 300 words)	Marks
1	रामायण की आदिकाव्यता पर एक टिप्पणी लिखिये।	2
2	महाभारत की शैली का सोदाहरण विवेचन कीजिए।	2
3	महाकाव्य का लक्षण लिखिये।	2
4	'कुमारसम्भवम्' महाकाव्य का सामान्य परिचय प्रस्तुत कीजिए।	2
5	भासकृत स्वप्नवासवदत्तम' पर टिप्पणी लिखिये।	2
6	भवभूतिकृत 'उत्तररामचरितम्' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिये।	2

SECTION- B

Q. No.	NOTE: Long answer type question (approx. 500 to 800 words)	Marks
7	रामायण एवं महाभारत की संस्कृतिक तुलना कीजिए।	6
8	नाटककार भवभूति का जीवन–परिचय प्रस्तुत कीजिये।	6
9	महाकवि भारवि के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व का मूल्यांकन कीजिये।	6

Assignment Question Paper

Session: 2024-25	**Max. Marks:** 30
Program Name: MA Sanskrit	
Course Code: MAST- 114 (N)	**Course Title:** काव्यशास्त्र

NOTE: All questions are compulsory

SECTION-A

2*6=12 marks

Q.No.	NOTE: Short answer type question (approx. 200 to 300 words)	Marks
1	आचार्य मम्मट के अनुसार उत्तमकाव्य का लक्षण समझाइये।	2
2	निम्न में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिये। (क) रीति सम्प्रदाय (ख) वक्रोक्ति सम्प्रदाय	2
3	'कान्तासम्मिततयोपदेशयुजे'' की व्याख्या कीजिए।	2
4	''संकेतितश्चतुर्भेदो जात्यादिजातिरेव वा '' की व्याख्या कीजिए।	2
5	वक्तृवैशिष्ट्य के कारण व्यञ्जना का उदाहरण देकर आर्थी व्यञ्जना को स्पष्ट कीजिए।	2
6	''अर्थस्य व्यञ्जकत्वे तच्छब्दस्य सहकारिता'' की व्याख्या कीजिए।	2

SECTION- B **6*3=18 marks**

Q. No.	NOTE: Long answer type question (approx. 500 to 800 words)	Marks
7	अलङ्कारशास्त्र के इतिहास के काल–विभाजन की समीक्षा कीजिए।	6
8	आचार्य मम्मट द्वारा प्रदत्त काव्यलक्षण 'तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलङ.कृती पुनः क्वापि'' की व्याख्या कीजिए।	6
9	आचार्य मम्मट के अनुसार रसस्वरूप का विवेचन कीजिए।	6

MAST-115 (N)

साहित्य सर्वेक्षण/ प्रोजेक्ट रिपोर्ट

1. भारतीय स्वातन्त्र्य संग्राम एवं संस्कृतकवि

2. संस्कृत–पत्रकारिता

3. स्वातन्त्र्योत्तर संस्कृत–कविता में भारतीय समाज का प्रतिबिम्बन

4. संस्कृत–साहित्य एवं आधुनिकता

5. इक्कीसवीं शती की संस्कृत–साहित्य की प्रवृत्तियाँ

6. आधुनिक संस्कृत–साहित्य में आधुनिक विज्ञानपरक चिन्तन

7. संस्कृत–साहित्य की विश्वदृष्टि

नोट– क) उपर्युक्त विषयबिन्दुओं में से किसी एक विषय के प्रामाणिक तथ्यों के उपस्थापनपूर्वक लगभग 5000 शब्दों में लिखित सर्वेक्षणात्मक निबन्ध की प्रस्तुति करनी होगी।

अथवा

ख) उपर्युक्त विषयों में ही किसी एक विषय से सम्बन्धित अंश विशेष को लेकर 50 पृष्ठों का शोध–प्रबन्ध (Project) प्रस्तुत करना होगा।